



॥ श्री कृष्ण क्षमा स्तुति ॥
श्रीकृष्णार्पणमस्तु

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कृष्ण क्षमा स्तुति ॥

हे श्रीकृष्ण! हे वासुदेव! हे गोविन्द! हे दीनबंधु!
मैं आपको बार-बार प्रणाम करता/करती हूँ।
हे प्रभु!

यदि मेरी पूजा, जप, ध्यान, अर्चना अथवा सेवा में
जानबूझकर या अनजाने में कोई त्रुटि, भूल या अपराध हुआ हो,
तो अपनी असीम करुणा से मुझे क्षमा करें।
हे मुरारी!

मेरे मन, वचन और कर्म से हुए सभी दोषों को क्षमा करें।
मेरे हृदय को पवित्र करें तथा उसमें सदैव आपकी भक्ति का प्रकाश
बनाए रखें।
हे गिरिधारी!

मुझमें सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा, विनम्रता और सदाचार का विकास करें।
मुझे ऐसा जीवन प्रदान करें जो आपके आदर्शों के अनुरूप हो।
हे गोपाल!

मेरे जीवन के सभी भय, दुख, क्लेश और अज्ञान को दूर करें।
मुझे सदैव आपकी शरण में रहने का सौभाग्य प्राप्त हो।
हे माधव!

आपकी कृपा से मेरा प्रत्येक कार्य सफल हो,
मेरा परिवार सुखी, स्वस्थ और समृद्ध रहे,
और मेरे हृदय में आपके चरणों के प्रति अटूट श्रद्धा बनी रहे।
हे नंदलाल!

मेरी सभी भूलों को क्षमा कर मुझे अपनी भक्ति का अधिकारी बनाइए।
मुझे सदैव आपके नाम का स्मरण करने, धर्म के मार्ग पर चलने और
सभी प्राणियों के प्रति प्रेम रखने की शक्ति प्रदान कीजिए।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥